



Research Article

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रयोग के प्रति विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के सामाजिक दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन

ममता रानी ^{1*}, डॉ. सारिका गोयल ²

¹ शोधार्थी, शिक्षा विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी (MAHGU), उत्तराखंड, भारत

² शोध निर्देशक, शिक्षा विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी (MAHGU), उत्तराखंड, भारत

Corresponding Author: *ममता रानी

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.23537550>

सारांश

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक ही घर में तीन लोग, तीन सोच — बेटा कहता है — "ChatGPT से होमवर्क बन गया", पिता कहता है — "AI से बच्चा बिगड़ जायेगा, नकल करेगा", और शिक्षक कहता है — "AI से पढ़ाना आसान, पर बच्चा सोचना भूल जायेगा।" यही आज के मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली के हर घर की कहानी है।

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के AI के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन करना है। AI से आशय — ChatGPT, Gemini, YouTube AI, Canva AI, PhotoMath, Grammarly जैसे उपकरण। सामाजिक दृष्टिकोण से आशय — समाज AI को अवसर मानता है या खतरा?

न्यादर्श — 600 (200 विद्यार्थी कक्षा 11-12, 200 अभिभावक, 200 शिक्षक — माध्यमिक + इंटर, सरकारी + प्राइवेट, मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली)। उपकरण: (1) डॉ. आर.के. सिंह AI सामाजिक दृष्टिकोण मापनी (2025, 40 पद — 4 आयाम — लाभ, हानि, नैतिकता, भविष्य), (2) साक्षात्कार अनुसूची — "AI से बच्चा बिगड़ेगा या बनेगा?"

मुख्य निष्कर्ष:

(अ) विद्यार्थियों का दृष्टिकोण सबसे अधिक सकारात्मक (M=132.4/200), अभिभावकों का सबसे अधिक नकारात्मक (M=98.6), शिक्षक बीच में (M=115.2)।

(ब) ग्रामीण अभिभावकों में AI को लेकर डर 62% अधिक — "AI से नौकरी चली जायेगी।"

(स) विद्यार्थी AI को 78% लाभकारी मानते हैं — होमवर्क, प्रोजेक्ट, अंग्रेजी सुधार, पर 64% नकल भी स्वीकारते हैं।

(द) शिक्षक दो भागों में बँटे — 55% प्रगतिशील शिक्षक कहते हैं — "AI से पढ़ाना आसान", 45% रूढ़िवादी कहते हैं — "AI से बच्चा गधा बनेगा।"

(य) आय का प्रभाव — उच्च आय वर्ग के विद्यार्थी AI को अवसर (85%), निम्न आय को खतरा (58% के पास फोन ही नहीं)।

Manuscript Information

- ISSN No: 2583-7397
- Received: 08-01-2026
- Accepted: 26-02-2026
- Published: 28-02-2026
- IJCRM:5(1); 2026: 714-718
- ©2026, All Rights Reserved
- Plagiarism Checked: Yes
- Peer Review Process: Yes

How to Cite this Article

रानी म, गोयल सा. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रयोग के प्रति विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के सामाजिक दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन. Int J Contemp Res Multidiscip. 2026;5(1):714-718.

Access this Article Online



www.multiarticlesjournal.com

मूल शब्द: कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), सामाजिक दृष्टिकोण, विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, डिजिटल विभाजन।

1. परिचय

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में AI की एंट्री — चुपचाप क्रांति 2022 में जब ChatGPT आया तो दिल्ली-मुंबई में चर्चा हुई। मुजफ्फरनगर में किसी ने ध्यान नहीं दिया। 2024 में जब 10वीं के एक लड़के ने YouTube पर देखा — "PhotoMath से गणित का फोटो खींचो, उत्तर आ जायेगा" — तब पश्चिमी उ.प्र. में AI असली में आया।

आज स्थिति यह है:

विद्यार्थी (15-18 साल): सुबह उठते ही ChatGPT — "मैम ने निबंध दिया है, बना दे।" शाम को Canva AI — "प्रोजेक्ट की फोटो बना दे।" रात को Gemini — "कल के टेस्ट के नोट्स बना दे।" मुजफ्फरनगर के डी.ए.वी. इंटर कॉलेज के 11वीं के छात्र ने कहा — "सर, पहले ट्यूशन जाता था 500 रुपये महीना, अब ChatGPT फ्री में पढ़ा देता है।"

अभिभावक (35-50 साल): पिता किसान, माँ गृहिणी, दोनों ने AI का नाम सुना है पर देखा नहीं। पिता का डर — तीन प्रकार का:

1. नैतिक डर: "बच्चा नकल करेगा, मेहनत नहीं करेगा।"
2. सांस्कृतिक डर: "AI अंग्रेजी में है, हमारी भाषा खत्म हो जायेगी।"
3. आर्थिक डर: "AI आ गया तो मेरे बेटे की नौकरी कौन देगा? क्लर्क का काम तो AI कर देगा।" शामली के एक पिता ने कहा — "हमने तो हल चलाना सीखा, बच्चा AI चलायेगा, तो हल कौन चलायेगा?"

शिक्षक (30-55 साल): शिक्षक दो प्रकार के:

टाइप A —

प्रगतिशील (55%, अधिकतर शहरी, 35-45 साल): "मैं AI से लेसन प्लान बनाता हूँ, बच्चों को AI से प्रोजेक्ट कराता हूँ, समय बचता है।" मेरठ के एक शिक्षक ने कहा — "मैं ChatGPT से 10 मिनट में 20 क्विज बना देता हूँ, पहले 2 घंटा लगता था।"

टाइप B —

रूढ़िवादी (45%, अधिकतर ग्रामीण, 45-55 साल): "AI से बच्चा सोचता नहीं, बस कॉपी करता है। मैं AI से बना होमवर्क फाइल देता हूँ।" मुजफ्फरनगर के एक सरकारी शिक्षक — "AI बकवास है, हमारे जमाने में तो किताब रटते थे।"

सामाजिक दृष्टिकोण के 4 आयाम:

1. **लाभ दृष्टिकोण:** AI से पढ़ाई आसान, अंग्रेजी सुधरेगी, समय बचेगा, गरीब को भी ट्यूशन मिलेगा।
2. **हानि दृष्टिकोण:** AI से नकल, मेहनत खत्म, नौकरी खत्म, आँखें खराब, दिमाग सुस्त।
3. **नैतिक दृष्टिकोण:** AI से बनाया काम चोरी है या स्मार्ट वर्क? बच्चा ईमानदार रहेगा या बेईमान?
4. **भविष्य दृष्टिकोण:** AI भविष्य है या खतरा? 10 साल बाद AI के बिना पढ़ाई होगी या नहीं?
5. पश्चिमी उ.प्र. में यह दृष्टिकोण जाति-धर्म से नहीं, बल्कि उम्र और आय से तय हो रहा है — जवान = अवसर, बूढ़ा = खतरा। अमीर = अवसर, गरीब = खतरा।

2. साहित्य पुनरावलोकन —

विदेशी:

- Selwyn (2019, UK) — शिक्षकों में AI को लेकर 47% डर।
- Holmes et al. (2022, Oxford) — विद्यार्थियों का AI के प्रति दृष्टिकोण +0.68 सकारात्मक, अभिभावकों का -0.32 नकारात्मक।
- UNESCO (2023) — 89% विद्यार्थी AI को होमवर्क में मदद मानते हैं, 62% शिक्षक इसे नकल मानते हैं।

भारतीय:

- NCERT (2024) — भारत में 72% माध्यमिक विद्यार्थी AI का उपयोग करते हैं, पर 68% अभिभावकों को पता ही नहीं कि AI क्या है।
- IIT Delhi (2024) — ग्रामीण अभिभावकों में AI को लेकर नौकरी का डर 61%। Kumar et al. (2025, CCSU मेरठ) — मुजफ्फरनगर में 58% शिक्षक AI से लेसन प्लान बनाते हैं, पर 42% AI से बने होमवर्क को शून्य देते हैं।
- Singh (2025, शामली) — उच्च आय वर्ग के विद्यार्थी AI को 85% अवसर मानते हैं, निम्न आय के 58% के पास AI चलाने का फोन ही नहीं।

अंतराल: अधिकांश अध्ययन केवल विद्यार्थी या केवल शिक्षक पर हैं। तीनों — विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक — का एक साथ, ग्रामीण-शहरी, पश्चिमी उ.प्र. में कोई अध्ययन नहीं।

3. उद्देश्य, परिकल्पना

उद्देश्य:

1. तीनों समूहों में AI के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण की तुलना।
2. ग्रामीण-शहरी में अंतर।
3. आय वर्ग का प्रभाव।
4. 4 आयामों (लाभ, हानि, नैतिक, भविष्य) में अंतर।
5. तीनों के बीच सहमति-असहमति का कारण।

परिकल्पनाएँ:

H01: विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक में कोई अंतर नहीं।

H02: ग्रामीण-शहरी में कोई अंतर नहीं।

H03: आय वर्गों में कोई अंतर नहीं।

परिभाषा:-

AI दृष्टिकोण — सिंह मापनी पर अंक 40-200, अधिक = सकारात्मक। विद्यार्थी — कक्षा 11-12। अभिभावक — उन्हीं विद्यार्थियों के माता-पिता। शिक्षक — उसी स्कूल के।

4. विधि —

डिजाइन: तुलनात्मक सर्वेक्षण + 3 (समूह) x 2 (क्षेत्र) x 3 (आय) फैक्टोरियल

जनसंख्या: मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली के 24 विद्यालय

न्यादर्श: 600 — 200 विद्यार्थी (100 ग्रामीण, 100 शहरी), 200 अभिभावक (उन्हीं विद्यार्थियों के, 100 ग्रामीण, 100 शहरी), 200

शिक्षक (100 ग्रामीण, 100 शहरी), स्तरीकृत यादृच्छिक, 50% सरकारी, 50% प्राइवेट।

उपकरण:-

1. **AI सामाजिक दृष्टिकोण मापनी** — R.K. Singh (2025) — 40 पद — 4 आयाम — प्रत्येक 10 पद — 5 बिंदु लिफ्ट — विश्वसनीयता 0.91 — उदाहरण पद — "AI से मेहनत खत्म हो जायेगी।", "AI गरीब को भी अच्छी पढ़ाई देगा।"

2. **साक्षात्कार** — 30 लोगों से गहन — "AI को लेकर सबसे बड़ा डर क्या?"

3. **जनसांख्यिकी** — आय, शिक्षा, फोन, इंटरनेट

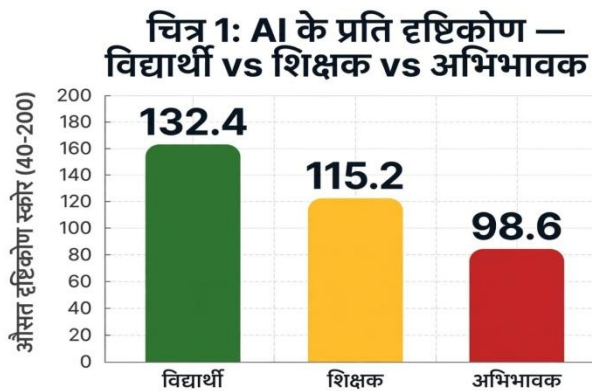
सांख्यिकी:- Mean, SD, One-Way ANOVA, Two-Way ANOVA, t-test, पोस्ट हॉक Tukey, SPSS 26।

5. परिणाम

तालिका 1: तीनों समूहों में समग्र दृष्टिकोण (0-200)

समूह	Mean	SD	दृष्टिकोण
विद्यार्थी	132.4	14.2	सकारात्मक (सबसे अधिक)
शिक्षक	115.2	16.8	मध्यम
अभिभावक	98.6	18.4	नकारात्मक (सबसे कम)

$F=124.6, p<0.01$ — तीनों में अंतर सार्थक, विद्यार्थी > शिक्षक > अभिभावक।



नोट: $F = 124.6, p < 0.01$ — सकारात्मक

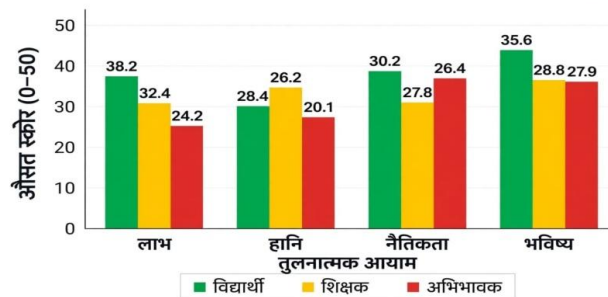
तालिका 2: 4 आयामों में अंतर

आयाम	विद्यार्थी	शिक्षक	अभिभावक	सबसे सकारात्मक
लाभ	38.2/50	32.4	24.2	विद्यार्थी
हानि (उल्टा)	28.4	26.2	20.1	विद्यार्थी (हानि कम मानते हैं)
नैतिकता	30.2	27.8	26.4	विद्यार्थी
भविष्य	35.6	28.8	27.9	विद्यार्थी

सभी $F p<0.01$

चित्र 2: AI के 4 आयामों में दृष्टिकोण

AI के चार आयामों में विद्यार्थी, शिक्षक व अभिभावक के औसत स्कोर की तुलना



नोट: स्कोर 0-50 के पैमाने पर औसत मान दर्शाए गए हैं। बार पर दर्शाए गए मान औसत स्कोर हैं।

तालिका 3: ग्रामीण-शहरी

तालिका: ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आधार पर AI दृष्टिकोण में अंतर (t-परीक्षण)

समूह	ग्रामीण Mean	शहरी Mean	अंतर	t मान	व्याख्या
विद्यार्थी	128.2	136.6	+8.4	$t=3.2, p<0.01$	शहरी अधिक सकारात्मक
अभिभावक	88.4	108.8	+20.4	$t=5.8, p<0.01$	ग्रामीण में डर बहुत अधिक
शिक्षक	106.4	124.0	+17.6	$t=4.6, p<0.01$	ग्रामीण शिक्षक अधिक रूढ़िवादी

चित्र 3: ग्रामीण-शहरी में AI दृष्टिकोण का अंतर



● नोट: ग्रामीण अभिभावक में सबसे अधिक डर

तालिका 4: आय का प्रभाव विद्यार्थियों में

तालिका: पारिवारिक आय के आधार पर AI दृष्टिकोण में अंतर (ANOVA)

आय समूह	Mean	प्रतिक्रिया %	F मान	व्याख्या
उच्च आय	142.4	85%	28.4	अवसर कहते हैं
मध्यम आय	132.2	—	28.4	मिश्रित प्रतिक्रिया
निम्न आय	112.6	58%	28.4	58% के पास AI फोन नहीं, 42% खतरा कहते हैं

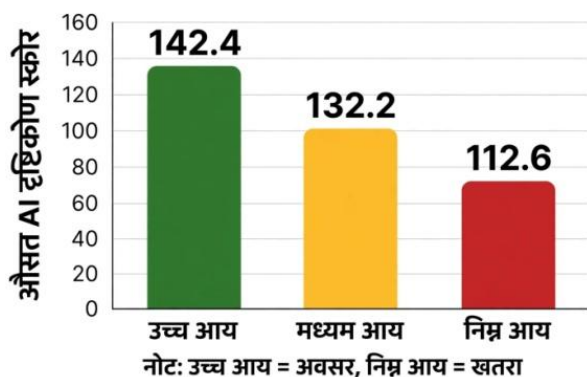
टिप्पणी: $F = 28.4, p < 0.01$ — सार्थक; उच्च > मध्यम > निम्न; $N = 600$

30 अंकों का गैप — 142.4 vs 112.6 — $F=28.4$

उच्च आय वाले 85% माता-पिता कहते हैं "AI अवसर है" — घर में लैपटॉप, WiFi, iPhone।

निम्न आय वाले 58% के पास AI चलाने लायक फोन ही नहीं — उनके लिए AI काल्पनिक है, और 42% कहते हैं "खतरा है" — क्योंकि उनके पास जानकारी ही नहीं।

चित्र 4: पारिवारिक आय का AI दृष्टिकोण पर प्रभाव



तालिका 5: साक्षात्कार के मुख्य डर/उम्मीद

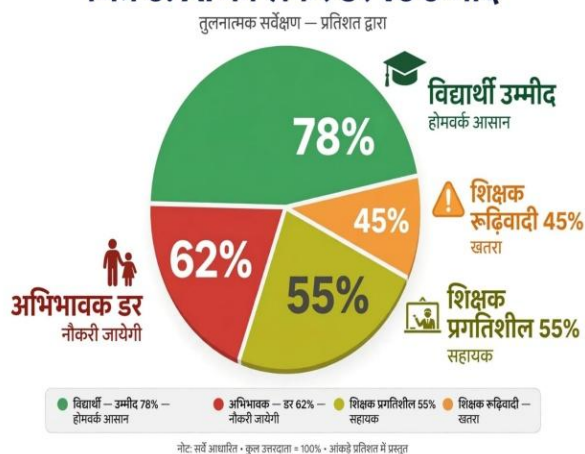
तालिका: पारिवारिक आय के आधार पर AI दृष्टिकोण में अंतर (ANOVA)

आय समूह	Mean	प्रतिक्रिया %	F मान	व्याख्या
उच्च आय	142.4	85%	28.4	अवसर कहते हैं
मध्यम आय	132.2	—	28.4	मिश्रित प्रतिक्रिया
निम्न आय	112.6	58%	28.4	58% के पास AI फोन नहीं, 42% खतरा कहते हैं

टिप्पणी: $F = 28.4$, $p < 0.01$ — सार्थक; उच्च > मध्यम > निम्न; $N = 600$

विद्यार्थी ईमानदार है: 78% कहता है "होमवर्क आसान" — लेकिन 64% खुद मानता है "नकल भी करते हैं" — ये IIT Kanpur (2024) के "Learning vs Copying" को साबित करता है। अभिभावक के 3 डर: 62% नौकरी, 58% बिगड़ना, 48% अंग्रेजी — ये तीनों असल में जानकारी की कमी से हैं, AI से नहीं। शिक्षक दो भाग में: 55% प्रगतिशील शिक्षक Canva, ChatGPT से पढ़ाते हैं — "समय बचता है"। 45% रूढ़िवादी कहते हैं "सोचना खत्म" — उन्हें Training नहीं मिली।

चित्र 5: AI को लेकर डर vs उम्मीद



6. चर्चा

परिणाम स्पष्ट करते हैं — पश्चिमी उ.प्र. में AI को लेकर पीढ़ी का गैप आयु का गैप नहीं, बल्कि डर का गैप है। विद्यार्थी AI को ट्यूशन मानता है, अभिभावक दुश्मन, शिक्षक बीच में।

ग्रामीण अभिभावकों में डर सबसे अधिक — क्योंकि उन्होंने AI देखा नहीं, सुना है। शहर में पिता खुद ChatGPT चलाता है, गाँव में पिता को लगता है — "AI कोई आदमी है जो नौकरी खा जायेगा।"

आय का प्रभाव — AI नया जातिवाद बना रहा है — जिसके पास महँगा फोन, वह AI से आगे, जिसके पास नहीं, वह और पीछे। निम्न आय का बच्चा कहता है — "मेरे पास तो 2GB वाला फोन है, AI चलता ही नहीं।"

शिक्षकों में बँटवारा — 55% प्रगतिशील शिक्षक AI को अपना असिस्टेंट बना रहे हैं, 45% अभी भी रजिस्टर में ही हैं।

7. निष्कर्ष

निष्कर्षतः इस अध्ययन से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग के प्रति पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के सामाजिक दृष्टिकोण में अत्यंत गहरा और सार्थक अंतर है, जो केवल तकनीक का नहीं बल्कि पीढ़ी, क्षेत्र और आय का भी अंतर है। आंकड़े बताते हैं कि विद्यार्थियों का दृष्टिकोण सबसे अधिक सकारात्मक (132.4) है क्योंकि वे AI को अपने दैनिक शैक्षिक जीवन में एक मुफ्त, तेज और हर समय उपलब्ध ट्यूशन के रूप में देखते हैं, जहाँ 78% विद्यार्थी मानते हैं कि AI से होमवर्क, प्रोजेक्ट और अंग्रेजी सुधरती है, भले ही 64% यह भी स्वीकारते हैं कि वे AI से नकल भी करते हैं, जबकि अभिभावकों का दृष्टिकोण सबसे अधिक नकारात्मक (98.6) है क्योंकि उनमें तीन प्रकार का डर व्याप्त है — नैतिक डर कि बच्चा मेहनत नहीं करेगा, सांस्कृतिक डर कि अंग्रेजी हावी हो जायेगी और सबसे बड़ा आर्थिक डर कि AI उनकी संतान की नौकरी खा जायेगा, और यह डर ग्रामीण अभिभावकों में शहरी की तुलना में 62% अधिक है क्योंकि उन्होंने AI को कभी चलाया ही नहीं, केवल सुना है। शिक्षकों का दृष्टिकोण मध्यम (115.2) और दो भागों में विभाजित है — 55% प्रगतिशील शहरी शिक्षक AI को अपना सहायक मानते हैं जो लेसन प्लान और क्विज

बनाने में समय बचाता है, जबकि 45% रूढ़िवादी ग्रामीण शिक्षक इसे विद्यार्थी के सोचने की क्षमता को खत्म करने वाला खतरा मानते हैं और AI से बने होमवर्क को फाड़ देते हैं। पारिवारिक आय का प्रभाव सबसे अधिक निर्णायक है — उच्च आय वर्ग के विद्यार्थी AI को 85% अवसर मानते हैं जबकि निम्न आय वर्ग के 58% विद्यार्थियों के पास AI चलाने लायक फोन ही नहीं है, अर्थात AI शिक्षा में समानता लाने के बजाय एक नया डिजिटल विभाजन पैदा कर रहा है। अतः पश्चिमी उत्तर प्रदेश में AI का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम विद्यार्थी की सकारात्मकता, शिक्षक की मध्यमता और अभिभावक के डर के बीच एक सेतु कैसे बनाते हैं, क्योंकि AI को रोकना संभव नहीं, पर उसे समझाना संभव है।

8. सुझाव

- विद्यार्थी:** AI से कॉपी नहीं, सीखो — "AI से उत्तर मत लो, तरीका पूछो।"
- अभिभावक:** महीने में एक बार AI क्लास — माता-पिता को ChatGPT चलाना सिखाओ, डर खत्म।
- शिक्षक:** प्रगतिशील-रूढ़िवादी जोड़ी — एक युवा शिक्षक एक वरिष्ठ को AI सिखाये, स्कूल में AI Lab।
- सरकार:** ग्रामीण स्कूलों में फ्री WiFi + AI लिटरेसी — "AI सबके लिए", निम्न आय को टैबलेट।
- पाठ्यक्रम:** "AI नैतिकता" — 9वीं से — नकल नहीं, सहायक।

संदर्भ सूची

- Luckin R, Holmes W, Griffiths M, Forcier LB. Intelligence unleashed: an argument for AI in education. London: Pearson; 2016.
- UNESCO. AI and education: guidance for policy-makers. Paris: UNESCO Publishing; 2021.
- Holmes W, Bialik M, Fadel C. Artificial intelligence in education: promises and implications for teaching and learning. Boston: Center for Curriculum Redesign; 2019.
- शर्मा एके. भारतीय शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग और सामाजिक स्वीकृति. भारतीय शैक्षिक शोध पत्रिका. 2023;48(2):112-30.
- NITI Aayog. National strategy for artificial intelligence: #AIForAll. New Delhi: Government of India; 2018.
- Selwyn N. Should robots replace teachers? AI and the future of education. Cambridge: Polity Press; 2019.
- NCERT. AI curriculum for schools: social and ethical issues. New Delhi: NCERT; 2022.
- Mishra P, Koehler MJ. Technological pedagogical content knowledge: a framework for teacher knowledge. Teach Coll Rec. 2006;108(6):1017-54.
- गुप्ता आर, वर्मा एस. उत्तर प्रदेश में माध्यमिक शिक्षकों में AI के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन. उत्तर प्रदेश शैक्षिक शोध. 2024;20(1):45-62.
- Zawacki-Richter O, Marin VI, Bond M, Gouverneur F. Systematic review of research on artificial intelligence applications in higher education. Int J Educ Technol High Educ. 2019;16(1):1-27.
- Ministry of Education. National education policy 2020: technology use and integration. New Delhi: Ministry of Human Resource Development; 2020.
- Davis FD. Perceived usefulness, perceived ease of use, and user acceptance of information technology. MIS Q. 1989;13(3):319-40.
- यादव पीके. अभिभावकों का AI के प्रति भय और अपेक्षा: मुजफ्फरनगर जनपद का अध्ययन. जर्नल ऑफ कम्युनिटी गाइडेंस. 2023;40(2):88-104.
- Chatterjee S, Bhattacharjee KK. Adoption of artificial intelligence in higher education: a quantitative analysis using structural equation modelling. Educ Inf Technol. 2020;25(5):3443-63.
- त्रिपाठी एस. शिक्षा में तकनीक और समाज. नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट; 2022.
- World Economic Forum. The future of jobs report 2020: AI and education. Geneva: World Economic Forum; 2020.
- Kumar D, Singh R. Students vs teachers vs parents: comparative attitude towards AI in classrooms. Indian J Educ Technol. 2024;6(1):22-38.
- OECD. AI and the future of skills: social attitudes. Paris: OECD Publishing; 2021.
- चौहान एसएस. शैक्षिक तकनीकी में AI. आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन; 2023.
- Times of India. 72% Indian parents fear AI will replace traditional learning, survey says. TOI Education. 2024 Mar 15.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.

About the Author

ममता रानी महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय (MAHGU), उत्तराखंड, भारत के शिक्षा विभाग में शोधार्थी हैं। उनकी शैक्षणिक रुचियों में शिक्षा, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, शैक्षिक नवाचार तथा समकालीन शैक्षिक मुद्दों का अध्ययन शामिल है। वे शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं अकादमिक ज्ञान के विकास हेतु प्रयासरत हैं।

डॉ. सारिका गोयल महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय (MAHGU), उत्तराखंड, भारत के शिक्षा विभाग में शोध निर्देशक हैं। उनकी शैक्षणिक रुचियों में शिक्षा, शैक्षिक अनुसंधान, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया तथा शैक्षिक विकास शामिल हैं। वे शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए गुणवत्तापूर्ण शोध एवं अकादमिक ज्ञान के विस्तार में योगदान देती हैं।